



0649CH09

नवमः पाठः

क्रीडास्पर्धा

- हुमा** – यूयं कुत्र गच्छथ?
- इन्दरः** – वयं विद्यालयं गच्छामः।

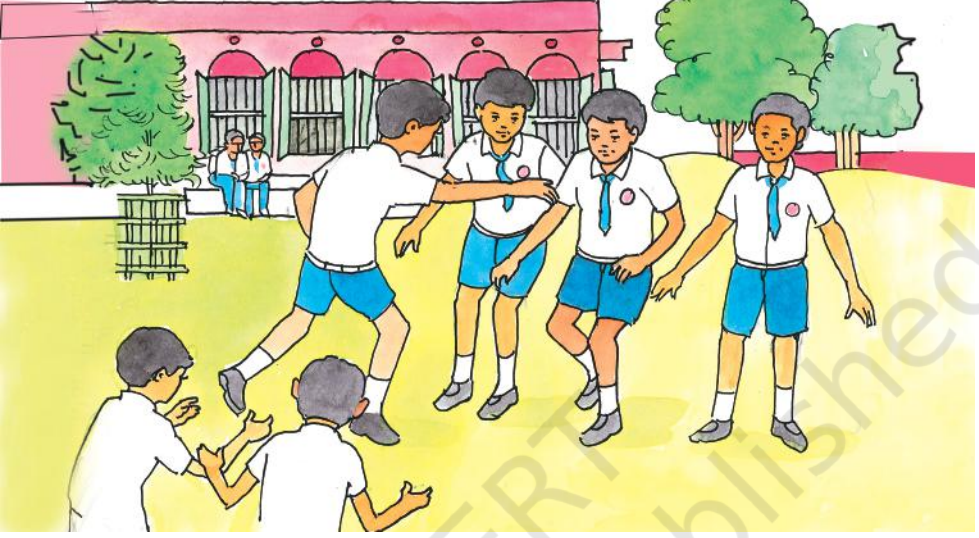


- फेकनः** – तत्र क्रीडास्पर्धाः सन्ति। वयं खेलिष्यामः।
- रामचरणः** – किं स्पर्धाः केवलं बालकेभ्यः एव सन्ति?
- प्रसन्ना** – नहि, बालिकाः अपि खेलिष्यन्ति।
- रामचरणः** – किं यूयं सर्वे एकस्मिन् दले स्थ? अथवा पृथक्-पृथक् दले?
- प्रसन्ना** – तत्र बालिकाः बालकाः च मिलित्वा खेलिष्यन्ति।
- फेकनः** – आम्, बैडमिंटन-क्रीडायां मम सहभागिनी जूली अस्ति।





प्रसन्ना – एतद् अतिरिक्तं कबड्डी, नियुद्धं, क्रिकेटं, पादकन्दुकं, हस्तकन्दुकं, चतुरङ्गः इत्यादयः स्पर्धाः भविष्यन्ति।



इन्दरः – हुमे! किं त्वं न क्रीडसि? तव भगिनी तु मम पक्षे क्रीडति।

हुमा – नहि, मह्यं चलचित्रं रोचते। परम् अत्र अहं दर्शकरूपेण स्थास्यामि।

फेकनः – अहो! पूरनः कुत्र अस्ति? किं सः कस्यामपि स्पर्धायां प्रतिभागी नास्ति?

रामचरणः – सः द्रष्टुं न शक्नोति। तस्मै अस्माकं विद्यालये पठनाय तु विशेषव्यवस्था वर्तते। परं क्रीडायै प्रबन्धः नास्ति।

हुमा – अयं कथमपि न न्यायसङ्गतः। पूरनः सक्षमः, परं प्रबन्धस्य अभावात् क्रीडितुं न शक्नोति।

इन्दरः – अस्माकं तादृशानि अनेकानि मित्राणि सन्ति। वस्तुतः तानि अन्यथासमर्थानि।

फेकनः – अतः वयं सर्वे प्राचार्यं मिलामः। तं कथयामः। शीघ्रमेव तेषां कृते व्यवस्था भविष्यति।





शब्दार्थः



| | | | |
|----------------|---|----------------------|------------------|
| स्पर्धाः | - | प्रतियोगिताएँ | competitions |
| यूयम् | - | तुम सब | you all |
| वयम् | - | हम सब | we all |
| खेलिष्यामः | - | खेलेंगे | shall play |
| मिलित्वा | - | मिलकर | together |
| नियुद्धम् | - | जूडो | judo |
| पादकन्दुकम् | - | फुटबाल | football |
| हस्तकन्दुकम् | - | वॉलीबाल | volleyball |
| चतुरङ्गः | - | चेस | chess |
| चलचित्रम् | - | सिनेमा | cinema |
| स्थास्यामि | - | रहूँगी/रहूँगा | shall stay |
| द्रष्टुम् | - | देखने के लिए | to see |
| न्यायसङ्गतः | - | उचित | lawful, proper |
| तादृशानि | - | वैसे | similar |
| अन्यथासमर्थानि | - | भिन्न तरीके से योग्य | differently able |

अन्यथासमर्थः—यह शब्द वस्तुतः अंग्रेज़ी के differently able का बोधक है।
जो प्रायशः विकलांग के लिये प्रयोग में लाया जा रहा है।





अभ्यासः



1. उच्चारणं कुरुत-

| | | |
|--------|--------|-----------|
| अहम् | आवाम् | वयम् |
| माम् | आवाम् | अस्मान् |
| मम | आवयोः | अस्माकम् |
| त्वम् | युवाम् | यूयम् |
| त्वाम् | युवाम् | युष्मान् |
| तव | युवयोः | युष्माकम् |

2. निर्देशानुसारं परिवर्तनं कुरुत-

| | | |
|------------------------|--------------|-----------------|
| यथा- अहं क्रीडामि। | - (बहुवचने) | - वयं क्रीडामः। |
| (क) अहं नृत्यामि। | - (बहुवचने) | |
| (ख) त्वं पठसि। | - (बहुवचने) | |
| (ग) युवां गच्छथः। | - (एकवचने) | |
| (घ) अस्माकं पुस्तकानि। | - (एकवचने) | |
| (ङ) तव गृहम्। | - (द्विवचने) | |





3. कोष्ठकात् उचितं शब्दं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-

- (क) पठामि। (वयम्/अहम्)
 (ख) गच्छथः। (युवाम्/यूयम्)
 (ग) एतत् पुस्तकम्। (माम्/मम)
 (घ) क्रीडनकानि। (युष्मान्/युष्माकम्)
 (ङ) छात्रे स्वः। (वयम्/आवाम्)

4. अधोलिखितानि पदानि आधृत्य सार्थकानि वाक्यानि रचयत-

| | | |
|--------|-----------|-----------|
| यूयम् | लेखं | पश्यामि |
| वयम् | शिक्षिकां | रचयामः |
| युवाम् | दूरदर्शनं | कथयिष्यथः |
| अहम् | कथां | पठिष्यावः |
| त्वम् | पुस्तकं | लेखिष्यसि |
| आवाम् | चित्राणि | नंस्यथ |

5. उचितपदैः वाक्यनिर्माणं कुरुत-

मम तव आवयोः युवयोः अस्माकम् युष्माकम्

यथा- एषा मम पुस्तिका।

- (क) एतत् पुस्तकम्।





- (ख) बुद्धिस्थिरा।
- (ग) एषः देवालयः।
- (घ) एषा शिक्षिका।
- (ङ) संस्कृतम् भाषा।
- (च) एतानि चित्राणि।

6. वाक्यानि रचयत-

| एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|----------------------------|----------------------------|---------------|
| (क) त्वं लेखं लेखिष्यसि। |। |। |
| (ख)। | आवाम् वस्त्रे धारयिष्यावः। |। |
| (ग) अहं पुस्तकं पठिष्यामि। |। |। |
| (घ)। | ते फले खादिष्यथः। |। |
| (ङ) मम गृहं सुन्दरम्। |। |। |
| (च)। |। | यूयं गमिष्यथ। |





7. एकवचनपदस्य बहुवचनपदं, बहुवचनपदस्य एकवचनपदं च लिखत-

यथा-

एषः

एते

सः

.....

ताः

.....

त्वम्

.....

एताः

.....

तव

.....

अस्माकम्

.....

तानि

.....

